प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में मनायी गयी पंत जी की 133वीं जयंती

पंतनगर। 10 सितम्बर 2020। पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की 133वीं जयंती के अवसर पर पंतनगर विश्वविद्यालय के नाहेप प्रांगण में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. जे. कुमार, तथा विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशकगण, अधिकारी एवं कर्मचारी ने आज प्रातः पंडित पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविन्द, माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी, माननीय राज्यपाल उत्तराखण्ड, श्रीमती बेबी रानी मौर्य; उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत; सांसद सारण लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, श्री राजीव प्रताप रूड़ी एवं कृषि मंत्री, श्री सुबोध उनियाल के प्राप्त संदेश क्रमशः अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान, डा. आर. एस. चौहान, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर, डा. के.पी. रावेरकर; अधिष्ठात्री गृह विज्ञान, डा. अल्का गोयल; अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, डा. आर.एस. जादौं, निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. ए.के. शर्मा एवं निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन द्वारा प्रस्तुत किये एवं पढ़े गये।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कुलसचिव, डा. जे. कुमार ने कहा कि पंत जी एक उत्कृष्ट नेता एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में विभिन्न पदों पर रहकर देश की सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूर्णरूप से निर्वाहन किया। डा. कुमार ने बताया कि देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना में पंत जी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है और हमें गर्व है कि पंत जी के नाम पर यह विश्वविद्यालय है। डा. कुमार ने बताया कि १९६० में इस विश्वविद्यालय की स्थापना जिस उद्देश्य के साथ हुई थी हमें हर्ष है कि उस उद्देश्य के तहत आज भी अपना योगदान दे रहा है। कृषि के विकास हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके अविस्मरणीय योगदान के बारे में भी उन्होंने बताया, जिसके कारण देश की कृषि व आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली। डा. कुमार ने सभी से आह्वान किया कि पंडित पंत के सपनों को पूरा करने एवं विश्वविद्यालय को आगे ले जाने के लिए संकल्प लें।

इससे पूर्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा. बृजेश सिंह ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। अधिष्ठाता कृषि, डा. एस.के. कश्यप ने पंत जी के जीवन पर संक्षिप्त परिचय दिया और बताया कि नाहेप के द्वारा इस प्रांगण में पंत जी की स्मृतियों पर आधारित संग्राहालय बनाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, डा. अमन कम्बोज द्वारा किया गया।

पंडित पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरान्त नमन करते पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. जे. कुमार।